# जन-गण-मन

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
पंजाब, सिंध, गुजरात मराठा
द्राविड़, उत्कल बंग
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे
तव शुभ आशीष मागे
गाहे तव जय गाथा
जन-गण-मंगल दायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे
जय-जय-जय-जय हे।

रचयिता–गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर

◆◆◆

# वन्दे-मातरम्

वन्दे मातरम्,
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्य-श्यामलां, मातरम्,
वन्दे मातरम्,
शुभ्र-ज्योत्सना-पुलकित-यामिनीम्
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्
सुहासिनीं, सुमधुरभाषिणीम्''
सुखदां, वरदां, मातरम्
वन्दे-मातरम्

रचयिता–वंकिमचन्द्र .चट्टोपाध्याय

◆◆◆

# सर्वधर्म सम्भाव प्रार्थना

## तू ही राम है तू रहिम है–

तू ही राम है, तू रहीम है
तू करीम कृष्ण-खुदा हुआ
तू ही वाहे गुरु तू इशु मसीह
हर नाम में तू समा रहा,
तू ही राम...., .....

तेरी जात-पाक कुरान में
तेरा दर्श वेद-पुराण में
गुरु ग्रंथ जी के बखान में
तू प्रकाश अपना दिखा रहा
तू ही राम.....

अरदास है कहीं कीर्तन
कहीं रामधुन कहीं आवाह्न
विधि-वेद का है ये रचन
तेरा भक्त तुझको बुला रहा,
तू ही राम.....

◆◆◆

# हम होंगे कामयाब

हम होंगे कामयाब
ओ हो मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन.....

हम चलेंगे साथ-साथ
डाले हाथों में हाथ,
हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन
ओहो मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास

नहीं डर किसी का आज - 3, नहीं भय किसी का आज
नहीं डर किसी का आज के दिन, ओ हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास, नहीं डर किसी का आज के दिन
हम होंगे.....

होगी शांति चारों ओर - 3
एक दिन.....ओ हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास होगी शांति चारों ओर एक दिन.....

**प्रश्न**

स्मरण से राष्ट्रगान (जन गण मन....) अथवा राष्ट्रगीत (वंदे मातरम्) को लिखें।
राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के रचनाकार कौन है ?

◆◆◆